[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7606 **L**

Unique Paper Code : 205310025

Name of the Paper : असाढ का एक दिन

Name of the Course : B.A. Hons. (Hindi) -DSE

Semester : VIII

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

छात्रों के लिए निर्देश.

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1 निम्नलिखित संवादों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए (कोई तीन) 12×3=36

क) सौन्दर्य का ऐसा साक्षात्कार मैंने कभी नहीं किया। जैसे वह सौन्दर्य अस्पृश्य होते हुए भी मांसल हो । मैं उसे छू सकती थी, देख सकती थी, पी सकती थी। तभी मुझे अनुभव हुआ कि वह क्या है जो भावना को कविता का रूप देता है। मैं जीवन में पहली बार समझ पायी कि क्यों कोई पर्वत-शिखरों को सहलाती मेघ-मालाओं में खो जाता है, क्यों किसी को अपने तन-मन की अपेक्षा आकाश में बनते-मिटते चित्रों का इतना मोह हो रहता है

ख) राजनीति साहित्य नहीं है। उसमें एक-एक क्षण का महत्त्व है। कभी एक क्षण के लिए भी चूक जायें, तो बहुत बड़ा अनिष्ट हो सकता है। राजनीतिक जीवन की धुरी में बने रहने के लिए व्यक्ति को बहुत जागरूक रहना पड़ता है। साहित्य उनके जीवन का पहला चरण था । अब वे दूसरे चरण में पहुँच चुके हैं। मेरा अधिक समय इसी आयास में बीतता है कि उनका बढ़ा हुआ चरण पीछे न हट जाय.....बहुत परिश्रम पड़ता है इसमें।

ग) परन्तु मैंने यह सब सह लिया। इसलिए कि मैं टूटकर भी अनुभव करती रही कि तुम बन रहे हो। क्योंकि मैं अपने को अपने में न देखकर तुममें देखती थी। और आज यह सुन रही हूँ कि तुम सब छोड़कर संन्यास ले रहे हो ? तटस्थ हो रहे हो ? उदासीन ? मुझे मेरीसत्ता के बोध से इस तरह वंचित कर दोगे ?

घ) तुम्हारे साथ उसका इतना ही सम्बन्ध है कि तुम एक उपादान हो, जिसके आश्रय से वह अपने से प्रेम कर सकता है, अपने पर गर्व कर सकता है। परन्तु तुम क्या सजीव व्यक्ति नहीं हो ? तुम्हारे प्रति उसका या तुम्हारा कोई कर्तव्य नहीं है ? कल तुम्हारी माँ का शरीर नहीं रहेगा, और घर में एक समय के भोजन की व्यवस्था भी नहीं होगी, तो जो प्रश्न तुम्हारे सामने उपस्थित होगा, उसका तुम क्या उत्तर दोगी । तुम्हारी भावना उस प्रश्न का समाधान कर देगी?

2. हिन्दी नाटक के विकास का परिचय दीजिए।

अथवा

ऐतिहासिक नाट्य-परंपरा में आषाढ़ का एक दिन का स्थान निर्धारित कीजिए। **18**

3 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक में द्वंद्व के विविध आयामों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

आषाढ़ के एक दिन में नायकत्व की दृष्टि से कालिदास का चरित्र-चित्रण कीजिए। **18**

4 आषाढ़ का एक दिन की रंग भाषा पर सविस्तार निबंध लिखिए।

अथवा

अभिनेयता के तत्वों के आधार आषाढ़ का एक दिन की समीक्षा कीजिए। **18**